बी.एच.डी.एफ.-101/एफ.एच.डी.-1

35193

हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

पाठ्यक्रम-कोड : बी.एच.डी.एफ.-101/एफ.एच.डी.-1

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *इस प्रश्न पत्र में तीन खण्ड हैं। खण्ड 'क' सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है। खण्ड 'ख' और 'ग' में से किसी एक में से उत्तर देना है। एफ.एच.डी.-1 के विद्यार्थी खण्ड 'ख' और बी.एच.डी.एफ-101 के विद्यार्थी खण्ड 'ग' के प्रश्नों के उत्तर दें।*

खण्ड - क

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्याय लिखिए : **5**
   इच्छा, धन, तालाब, स्त्री, अग्नि

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए : **5**
   सत्यार्थी, सूक्ति, यद्यपि, अन्वय, नयन

3. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : **5**
   (क) आँख का तारा होना
   (ख) आकाश छूना

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) मेरा प्रिय लेखक

(ख) शिक्षा का मूलभूत अधिकार

(ग) पर्यावरण की रक्षा

(घ) सामाजिक आशय और विज्ञापन

5. अख़बार में छपे विज्ञापन का संदर्भ देते हुए नौकरी के लिए आवेदन पत्र लिखिए। 5

6. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और इसके आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

प्रकृति ने मनुष्य को जितने उपहार दिए हैं उन सभी में जल जैसे उपहार को कोई दूसरा पर्याय नहीं है। जल ही जीवन है। अर्थात् जल सम्पूर्ण जीवन जगत का आधार है। इसलिए वर्तमान में सबसे चर्चित विषय जल संवर्धन है। जनसंख्या वृद्धि से जल की खपत बढ़ी है। लेकिन स्रोत सीमित हो जाने के कारण जल की समस्या अब विकराल रूप धर सकती हैं। वैज्ञानिक, चिंतक और समाजशास्त्री यहाँ तक कहते हैं कि जल की समस्या को यदि जल्द से जल्द सुलझाई नहीं गई तो मानव जीवन के लिए बहुत बड़ा संकट पैदा होगा। नदियों पर बनाए गये बड़े विशालकाय बाँधों ने जहाँ एक और कृषि क्षेत्र को जल सिंचन का वरदान दिया तो दूसरी ओर लाखों लोग बेघर होकर दर-दर की ठोकरे खाने को मज़बूर हुए। राष्ट्रीय पुर्नवसन योजना को सही ढंग से लागू न किए जाने के परिणामस्वरूप हजारों की तादाद में लोग बेघर और बेकार होकर मज़दूर बन गए हैं। हमारे देश की बहुत सी नदियों में हर वर्ष आनेवाली बाढ़ से होनेवाली तबाही एक और समस्या है। कोसी नदी की बाढ़ से हजारों वर्ग मील का क्षेत्र पानी में डूबने के कारण लोगों को वहाँ रहने के लिए इंच भर

जमीन भी बाकी नहीं रहती। बाढ़ को रोकने के इंतजामों की तकनीकी को जब तक हासिल नहीं किया जाएगा, तब तक बाढ़ से होनेवाली कृषि क्षेत्र और मानव हानि को रोकना बहुत बड़ी चुनौती ही रहेगी।

(क) जल को जीवन कहने का तात्पर्य क्या है?

(ख) भारतीय वैज्ञानिक जल की समस्या को कैसे सुलझा पाएंगे?

(ग) नदियों पर बने बाँध से देश के विकास में क्या फर्क पड़ता है?

(घ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

खण्ड - ख

इस खण्ड में शामिल प्रश्नों का उत्तर केवल **एफ.एच.डी.-1** के विद्यार्थी दें।

7. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** का लगभग 200 शब्दों में आशय स्पष्ट कीजिए : 5

(क) उसने जाकर आले पर से रुपये निकाले और लाकर हल्कू के हाथ पर रख दिये। फिर बोली-तुम छोड़ दो अबकी से खेती। मजूरी में सुख से एक रोटी खाने को तो मिलेगी। किसी की धौंस तो न रहेगी। अच्छी खेती है! मजूरी कर के लाओ, वह भी उसी में झोंक दो, उस पर धौंस।

(ख) 'संस्कृत मेरे लिए रेखागणित की अपेक्षा अधिक कठिन सिद्ध हुई। रेखागणित में कुछ रटना नहीं पड़ता, पर संस्कृत में तो मेरी दृष्टि से अधिक काम रटने का ही था। यह भी चौथी कक्षा से चली थी। छठे दर्जे मे मैं हिम्मत हार गया। संस्कृत के अध्यापक बहुत सख्त थे। उन्हें विद्यार्थियों को बहुत-सा पढ़ा देने का लोभ था। संस्कृत और फ़ारसी के दर्जों में एक प्रकार की प्रतिद्वंद्विता सी थी।''

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** का उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखिए : **5x2=10**

(क) हल्कू किसानी छोड़कर मजदूर क्यों बनना चाहता? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) तुलसी दास का चरित्र चित्रण 'मानस का हंस' के नायक के रूप में कीजिए।

(ग) 'तोड़ती पत्थर' कविता में चित्रित सामाजिक यथार्थ दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

(घ) विस्तृत नभ का कोई कोना;
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना इतिहास यही
उमड़ी कल भी मिट आज चली

उपरोक्त काव्यांश का आशय लिखिए।

खण्ड - ग

इस खण्ड में शामिल प्रश्नों के उत्तर केवल **बी.एच.डी. एफ-101** के विद्यार्थी दें।

9. निम्नलिखित में से किसी एक का आशय लगभग 200 शब्दों में लिखिए : 5

(क) मेरी हिचकियाँ बंध गई थी। हिचक-हिचककर पूरी बात पिताजी को बता दी कि तीन दिन से रोज झाड़ू लगवा रहे हैं। कक्षा में पढ़ने भी नहीं देते। पिताजी ने मेरे हाथ से झाड़ू छीनकर दूर फेंक दी। उनकी आँखो में आग की गर्मी उतर आई थी। हमेशा दूसरों के सामने तीर-कमान बने रहने वाले पिताजी की लंबी-लंबी घनी मूँछे गुस्से में फड़फड़ाने लगी थी। चीखने लगे, ''कौन-सा मास्टर है वो द्रोणाचार्य की औलाद, जो मेरे लड़के से झाड़ू लगवावे है.....''

(ख) सखि, नीलनभस्सर में उतरा
यह हंस अहा। तिरता तिरता
अब तारिक मौक्तिक शेष नहीं
निकला जिनको चरता-चरता

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में लिखिए : **5x2=10**

(क) 'जीने की कला' निबंध में नारी-जीवन के अभिशापों की वास्तविकता को स्पष्ट किया है'' इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए।

(ख) 'वैष्णव की फिसलन' के माध्यम से धर्म को धंधे से जोड़ने की व्यावसायिक दृष्टि पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

(ग) 'जूठन' आत्मकथा में चित्रित दलित जीवन-यथार्थ की चर्चा कीजिए।

(घ) 'पूस की रात' कहानी के प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए।